साडा है सजन राम, राम है कुल जहान

सभी सजनों को

जय सीता राम जी

जैसा कि विगत सप्ताह भेजे गए पत्र द्वारा आपको सूचित किया गया था कि घर सतयुग बना, परमपद प्राप्ति करने हेतु, गत वर्ष रामनवमी यज्ञ के अवसर पर गृहकार्य के रूप में जो एक पर्चा सबको दिया गया था, जिसमें इक्कीस विचार बिन्दुओं का वर्णन किया गया है, सभी सजनों ने उन्हीं विचार बिन्दुओं को अमल में लाने हेतु पढ़ना है और उन विचार बिन्दुओं को व्यवहार में लाने के लिए 'सतवस्तु के कुदरती ग्रन्थ' में क्या तरीका व युक्ति बताई गई है, उसे समझ कर लिखना है। साथ ही आपको यह भी सूचित किया गया था कि इस विषय में प्रत्येक शहर के एक या दो ऐसे सजन जो विषय को पढ़ कर उसके सार तत्व को सूक्ष्मतया, एक-डेढ़ पृष्ठ में लिखकर, व्यक्त कर सकते हैं, वे 'चैत्र के यज्ञ' पर 'सतवस्तु के कुदरती ग्रन्थ के अनुसार', इन विचार बिन्दुओं को अपनाने का क्रियात्मक तरीका सबको बताएंगे। इस कार्य को कुशलता से सम्पन्न करने हेतु सजनों दिनाँक 7 फरवरी 2016 को ध्यान-कक्ष की कक्षा के बाद एक मीटिंग वसुन्धरा में रखी गई। इस मीटिंग में सजनों यह निर्णय लिया गयाः-

1. सभी स्कूलों एवं ब्रांचों के सजनों ने इस गृहकार्य के अंतर्गत दिए गए 21 विचार बिन्दुओं के क्रियात्मक रूप को समझ कर वर्त्त-वर्त्ताव में लाने के लिए सतवस्तु के कुदरती ग्रन्थ को अच्छी तरह समझ कर पढ़ना है एवं प्रत्येक बिन्दु में वर्णित विषय के सम्बन्ध में ग्रन्थ में, किस सोपान के किस कीर्तन में, सच्चे पातशाह जी ने क्या कहा है, उसके भावार्थ को सूक्ष्मतः लिखना है।

2. इस हेतु एक शहर के सारे सजन गृहकार्य में दिए गए बिन्दुओं को संख्या के आधार पर आपस में बाँट लें और प्रत्येक बिन्दु से सम्बन्धित सोपान व कीर्त्तन न0, सम्बन्धित विचार बिन्दु के सामने लिखकर उन कीर्त्तनों में वर्णित सत्य ज्ञान के अनुरूप इसकी व्याख्या करें। सजनों यदि सजन कम हैं तो एक सजन दो या तीन विचार बिन्दुओं पर भी कार्य कर सकता है।

3. तत्पश्चात् सजनों सभा के समस्त सजन आपस में विचार-विमर्श करके उस कार्य को कन्सोलिडेट करें और 21 बिन्दुओं के इक्कीस उत्तर बना लें। फिर आप में से वह सजन जिसने वसुन्धरा पर नाम लिखवाया था वह सम्बन्धित कार्य को लेकर दिनाँक 5 मार्च शनिवार को वसुन्धरा पधार कर, स्वयं द्वारा किया यह काम निर्धारित तीन सजनों को देगाः-

1 से 7 विचार बिन्दुओं के लिए	मीरा सजन जी
8 से 14 विचार बिन्दुओं के लिए	अंकिता सजन जी
15 से 21 विचार बिन्दुओं के लिए	रंजना सजन जी

इस सम्बन्ध में सजनों यह याद रखो कि जो शहर मीटिंग में उपस्थित नहीं थे उन्होंने भी यह कार्य करना है और निश्चित तिथि को आकर वह कार्य इन निर्धारित सजनों को देना है। इस हेतु आपके शहर का कौन सा सजन यह कार्य आकर वसुन्धरा पर उपरोक्त सजनों को देगा उसका नाम व टेलिफोन न0 मीरा सजन जी को लिखवा देना है। मीरा सजन जी का टेलिफोन न0 9034001030 है।

4. पूरे ग्रन्थ में विषय सम्बन्धी कथनों को लिखकर गृहकार्य में दिए विचार बिन्दुओं की व्याख्या अधिक से अधिक दो पेज में करनी है ताकि हमें क्या करना है और क्या छोड़ना है यह स्पष्ट हो जाए।

सजनों अभी भी दो माह बचे हैं। यदि पूरे उत्साह में आ जाओ तो समय रहते अपना जीवन सफल बनाने हेतु यह कार्य कुशलता से कर सकते हो और फर्स्ट का नतीजा दिखा महाराज जी के उत्तम सपुत्र बन सकते हो।

अतः घबराओ नहीं, जीवन लक्ष्य प्राप्ति के लिए पराक्रम दिखाओ व इस हेतु एकाग्रचित्त होकर पूरी श्रद्धा व लगन से 'सतवस्तु के कुदरती ग्रन्थ' को ध्यान से पढ़ो, समझो व वर्त्त-वर्त्ताव में लाना आरम्भ कर दो। निश्चित ही इस तरह, जो आज तक नहीं कर पाए, उसे अब इस तरीके से वर्त्त-वर्त्ताव मे लाकर, फ़तह पा लोगे। याद रखो जो सजन इस तरीके के अनुसार यह कार्य सम्पन्न कर लेगा, निश्चित ही इससे उसके अन्दर स्पष्टता से प्रत्येक बात को समझने की आदत बनेगी और उत्साहवर्धन होने से 'सतवस्तु के कुदरती ग्रन्थ' की विचारधारा अनुसार शुद्धता से जीवन जीने के प्रति आत्मविश्वास बढ़ेगा। फलतः जीव, जगत और ब्रह्म के सत्य ज्ञान प्राप्ति के प्रति किसी अन्य पर निर्भरता नहीं रहेगी और अपने जीवन का मकसद सिद्ध करने के साथ-साथ, लालन-पालन के दौरान, अपने बच्चों को भी सच्चाई-धर्म के निष्काम रास्ते पर, मज़बूती से बने रहने योग्य बना, सदाचारी व परोपकारी बना सकोगे। इस तरह आपके लिए घर सतयुग बनाना सहज हो जाएगा।

इन्ही शुभकामनाओं के साथ सभी सजनों को जय सीता राम जी।